जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

(राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान)

For

(Diploma in Mantra Methodology & Therapy)

मन्त्र साधना पद्धति और चिकित्सा विषयक

डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(DMMT)

2023-24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

जयपुर-राजस्थान

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान

डिप्लोमा पाठ्यक्रम-2023-24

प्रवेश व अध्ययन नियमः-

1. **प्रवेश हेतु योग्यताः-** किसी भी विषय से बारहवीं कक्षा/समकक्ष परीक्षा में 40% से उत्तीर्ण छात्र प्रवेश योग्य होगा।
2. **पाठ्यक्रम अवधिः-** एक वर्षात्मक पूर्णकालीन पाठ्यक्रम (One Year Regular Course)
3. सैद्धान्तिक व प्रायोगिक प्रश्न पत्र में अलग-अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
4. सौद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षा के लिए 75% उपस्थिति अनिवार्य है।
5. अन्य नियम विश्वविद्यालय द्वारा ही मान्य होंगे।

मन्त्र साधना पद्धति एवं चिकित्सा विषयक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के उद्देश्य-

1. मन्त्रों के उद्भव, स्वरूप, उद्देश्य व इसके मूल तत्वों को समझना व इन्हे आत्मसात् करना।
2. ऋषि-मुनियों के द्वारा साक्षात्कार के रूप में प्राप्त सार्वभौम एवं सार्वकालिक मन्त्रविद्या तथा तन्त्रागमविद्याओं को समझना व दैनिक जीवन में उनकी उपयिता का अध्ययन करना।
3. मन्त्रविद्या तथा तन्त्रविद्याओं के सैद्धान्तिक व प्रायोगिक पक्षों को समझना।
4. मन्त्रों के माध्यम से मन, शरीर एवं ब्रह्माण्ड के समन्वय को समझकर उसे आत्मरूपी तत्व के साथ जोड़ना व सत्य की अनुभूति करना।
5. मनोकायिक व्याधियों पर मन्त्रविद्या एवं तन्त्रविद्याओं के माध्यम से नियन्त्रण पाना।
6. स्वयं अभ्यास करना एवं व्यावहारिक कौशल प्राप्त करना।
7. मन्त्रिद्या तथा तन्त्रविद्या साधनाओं के परिष्कृत स्वरूप का निर्धारण करना।
8. चिकित्सा सिद्धान्त के सहायक के रूप में अध्यात्म सिद्धान्त को समझना।
9. भिन्न-भिन्न व्यक्तित्व हेतु समग्र सहायक के रूप में अध्यात्म मन्त्रसाधना एवं तन्त्रसाधना पद्धति को समझना व जनजागरण हेतु उपलब्ध करना।
10. नित्य नवीन अनुसन्धान द्वारा मन्त्र साधना तथा तन्त्र साधना पद्धतियों को उत्कर्ष बनाना।
11. मन्त्र साधना द्वारा जीवन मूल्यों को समझकर आत्मसात् करना।

मन्त्र साधना पद्धति और चिकित्सा विषयक डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र

श्रौतमन्त्र विद्या साधना विधि

सैद्धान्तिक-120 अंक, प्रायोगिक-80 अंक **पूर्णांक-200**

सैद्धान्तिकः-

1. ऋग्विधान (01 से 02 अध्याय)- शौनक कृत 20 अंक
2. यजुर्विधान (01 से 02 अध्याय)- कात्यायन कृत 20 अंक
3. अथर्ववेदीय कर्मजव्याधि निरोध (01 से 02 अध्याय)- केशवदेव कृत 30 अंक
4. अथर्व चिकित्सा विज्ञान (प्राकृतिक चिकित्सा खण्ड)- हीरालाल विश्वकर्मा कृत 30 अंक
5. पञ्च अथर्वशीर्ष 20 अंक

पाठ्यक्रम विषयः-

1. ऋग्विधान ग्रन्थ का परिचय, ग्रन्थ का विषय, प्रयोजन, इतिहासों का निरूपण, ग्रन्थकार का परिचय, भारतीय संस्कृति का मूलाधार श्रोतविद्या, श्रोतविद्या का परिचय, महत्व, एकविंशति यज्ञों परिचय, पाकयज्ञ, हविर्यज्ञ, सोमयज्ञों का परिचय, विश्वकल्याण के लिए श्रोतविद्या का योगदान, पर्यावरण के संरक्षण में श्रौतयज्ञों का महत्व, मन्त्र विद्या का इतिहास, श्रौतमन्त्रविद्या का विषय, अध्ययन का प्रयोजन।
2. मन्त्रविद्या के उपासनाओं के प्रकार
3. आचारादि शौच नियमों का पाठ
4. सन्ध्योपासना, नित्यकर्म, षोडश संस्कारों का परिचय
5. ऋग्विधानग्रन्थोक्त मन्त्रों का पाठ, अग्निसूक्त, श्रीसूक्त, पुरुषसूक्त, वरुणसूक्त, पवमानसूक्त इत्यादि।
6. ऋग्विधानग्रन्थोक्त मन्त्रों की उपासना का फल निरूपण।
7. यजुर्विधान ग्रन्थ का परिचय, ग्रन्थ का विषय, प्रयोजन, ग्रन्थकार आचार्य कात्यायन का परिचय, यजुर्विधानग्रन्थोक्त मन्त्रों का पाठ, सूर्योपासनासूक्त, अग्निसूक्त, नासदीयसूक्त, शिवसंकल्पसूक्त, पुरुषसूक्तपाठ, स्वस्ति मन्त्रों का पाठ।

8. यजुर्विधानग्रन्थोक्त मन्त्रों तथा यज्ञ अनुष्ठानों का फल निरूपण।
9. अथर्ववेदोक्त मन्त्र विद्या का परिचय, मानव शरीर का परिचय।
10. व्याधियों का प्रकार, वैदिक चिकित्सा पद्धतियाँ।
11. अथर्ववेद का परिचय, लोकजीवन में उपयोगिता।
12. अथर्ववेदीय कर्मज व्याधियों का निवारण उपाय, व्याधि निदान, औषधियो का परिचय।
13. चित्तवृत्तियों का स्वरूप, मनोव्याधि चिकित्सा विषय, नाना प्रकार के रोगों का परिचय तथा निवारण की यज्ञानुष्ठान प्रविधियाँ।
14. दीर्घायुष्य प्राप्तिकर यज्ञानुष्ठान विधियाँ, गृहशुद्धि आदि शान्ति एवं पुष्टिकर्म, लोकोपकारी यज्ञ अनुष्ठान, पर्यावरण संरक्षण हेतु यज्ञानुष्ठान विधियाँ पर्जन्येष्टि यज्ञ प्रयोगानुष्ठान विधि।
15. पृथ्वी का प्रारम्भ वेदी, यज्ञ भूमि विचार, हवन कुण्डों का प्रकार, यज्ञ मण्डप का महत्व एवं अनेक प्रकार के कर्मज व्याधियों का निवारणों के उपायों का निरूपण।
16. अथर्व चिकित्सा विज्ञान ग्रन्थोक्त प्राकृतिक खण्ड में वर्णित हस्तस्पर्श चिकित्सा, सूर्यरश्मिचिकित्सा, वायुचिकित्सा, अग्निचिकित्सा, जलोपचार, मन्त्रोपचार चिकित्सा, हवनोपचार तथा आश्वासन एवं उपचार चिकित्साओं का अध्ययन।

प्रायोगिकः-

उपरोक्त ग्रन्थों में निर्धारित विषयों के प्रयोग विधियों का मार्गदर्शन- 80 अंक

सहायक ग्रन्थः-

1. ऋग्विधान (01 से 02 अध्याय)- शौनक कृत
2. यजुर्विधान (01 से 02 अध्याय)- कात्यायन कृत
3. अथर्ववेदीय कर्मजव्याधि निरोध (01 से 02 अध्याय) केशवदेव कृत
4. अथर्वचिकित्सा विज्ञान (पृष्ठ 467-514) डॉ. हीरालाल विश्वकर्मा, कृष्णदास एकेडमी वाराणसी।
5. पञ्च अथर्वशीर्ष- गीताप्रेस गौरखपुर
6. वैदिक साहित्य का इतिहास- श्री गजानन शास्त्री, मुसलगांवकर एवं पं.राजेश्वर केशवशास्त्री, मुसलगांवकर, चौखम्भा संसकृत संस्थान वाराणसी।

आगामिक मन्त्रविद्या साधना विधि

द्वितीय प्रश्नपत्र

सैद्धान्तिक-120 अंक, प्रायोगिक-80 अंक **पूर्णांक-200**

सैद्धान्तिकः-

मन्त्रमहोदधि-महीधर कृत-120 अंक

1. **प्रथम तरंगः-** मन्त्र महोदधि ग्रन्थ का परिचय, ग्रन्थ का विषय, ग्रन्थ का अध्ययन का महत्व, प्रयोजन, महीधर भट्ट का परिचय, मन्त्रों का वैदिक तान्त्रिक आदि का स्वरूप, शक्ति, विनियोग आदि का परिचय, मन्त्रों के ऋषि, देवता, छन्द, बीज, मन्त्रसिद्धि, मन्त्रसिद्धि के साधन, मन्त्रसिद्धि के लक्षण, वर्णमातृकाएँ, द्वारपूजाकर्मः, प्राणायामः, स्रष्ट्यादि न्यासः, अग्निपूजनयन्त्रम्, अग्निध्यानम्, अग्नि अर्चनम्, शक्तितन्त्रम्, पवित्र प्रतिपत्तिः, तर्पणादिकम् मन्त्र सम्बन्धित विविध जानकारियाँ।
2. **द्वितीय तरंगः-** गणेश मन्त्र कथन, षडक्षर मन्त्र साधना, उच्छिष्ट गणपति मन्त्र साधना, पुरश्चरणविधि।
3. **चतुर्दश तरंगः-** भगवान विष्णु देवता की उपासना विधि।
4. **पञ्चदश तरंगः-** सूर्य उपासना विधि।
5. **षोडश तरंगः-** भगवान शिव की उपासना विधि।
6. **अष्टादश तरंगः-** चण्डी उपासना विधि।
7. **एकविंश तरंगः-** द्वादश तरंग में वर्णित विषय।
8. **चतुर्विंश तरंगः-** मन्त्रशोधन निरूपण।
9. **पञ्चविंश तरंगः-** षड्कर्मनिरूपणम्।

प्रायोगिक- उपरोक्त तरंगों में निर्धारित विषयों के प्रयोग विधियों का मार्गदर्शन।

- गणेशमन्त्र, गणेशध्यानम्, गणेशपञ्चावरणपूजाविधि, गणेशपूजनयन्त्रम्, उच्छिष्ट-विनायकध्यानम्, द्वादशवर्णोमन्त्र, उच्छिष्टगणनाथमन्त्र, उच्छिष्टगणपतिध्यानम्, लक्ष्मीगणेशमन्त्र, लक्ष्मीगणेशध्यानम्, सप्तार्णमन्त्रोद्धार, वह्निनवार्णमन्त्रोद्धार, जिह्वाबीजोद्धार, ब्रहमन्त्रोद्धार।

सहायक ग्रन्थः-

1. मन्त्र महोदधि (महीधर आचार्य कृत, व्याख्यासहित) चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी।
2. मन्त्रशक्ति (I, II) रूद्रदेवत्रिपाठी, रंजन पब्लिकेशन दिल्ली।
3. मन्त्रमहार्णव- व्याख्या सहित, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी।

तन्त्र विद्या साधना पद्धति

तृतीय प्रश्नपत्र

सैद्धान्तिक-120 अंक, प्रायोगिक-80 अंक **पूर्णांक-200**

सैद्धान्तिकः-

1. एकादश तरंग (मन्त्र महोदधि) महीधर कृत 40 अंक
2. श्री भुवनेश्वरी वरिवस्या-दत्तात्रेयानन्दनाथकृत 40 अंक
3. विंश तरंग (मन्त्र महोदधि) महीधर कृत 40 अंक

पाठ्यक्रम विषयः-

1. श्री विद्यापरिचयः, श्रीविद्याकथनम्, मन्त्रोद्धारः, षोडशाक्षरी, त्रिपुरासुन्दरी, श्रीविद्याकथनम्, आसनन्यास, बीजन्यास, वर्णन्यास, सम्मोह न्यास, सृष्टिन्यास, स्थितिन्यास, पंचवृत्तिन्यास।
2. गणेश मातृका न्यास, गृह मातृका न्यास, नक्षत्र न्यास, योगिनी न्यास, राशि न्यास, पीठ न्यास, श्री पूजायन्त्रम् आदि।
3. कादि न्यास, हादि न्यास (श्री भवनेश्वरीवरिवस्या ग्रन्थोक्त विविध तान्त्रिक उपासना पद्धतियों का अध्ययन)
4. दश महाविद्याओं का सामान्य परिचय

प्रायोगिकः- उपरोक्त विषयों के प्रायोगिक मार्गदर्शन का अध्ययन **80 अंक**

सहायक ग्रन्थः-

1. मन्त्र शक्ति (प्रथम खण्ड) प्रो. रुद्रदेवत्रिपाठी, रंजन पब्लिदेशन दिल्ली।
2. यन्त्र शक्ति (द्वितीय खण्ड) प्रो. रुद्रदेवत्रिपाठी, रंजन पब्लिदेशन दिल्ली।
3. श्रीभवनेश्वरीवरिवस्या- दत्तात्रेयानन्दनाथ, श्रीविद्यासाधनापीठ, वाराणसी।

स्तुति परक मन्त्रविद्या साधना विधिः

चतुर्थ प्रश्नपत्र

सैद्धान्तिक-120 अंक, प्रायोगिक-80 अंक **पूर्णांक-200**

सैद्धान्तिकः-

1. दुर्गासप्तशती- मार्कण्डेय पुराण 80 अंक
2. सौन्दर्य लहरी- श्री शंकराचार्य कृत 40 अंक

पाठ्यक्रम विषयः-

1. सप्तशती पाठ विधि (मूल पाठ का अभ्यास) संकल्प, आवाहान, घटस्थापना, देवता आवाहनादि सामान्य पूजा विधि।
2. देवी कवच, अरगलास्तोत्र, कीलकस्तोत्र पाठ विधि।
3. शापोद्धार, वेदोक्त तथा तन्त्रोक्त रात्रिसूक्त, नवार्णमन्त्र जप विधि, न्यास विधियों का पाठन।
4. प्रथम चरित्र (महाकाली चरित्र का पाठ)
5. मध्यम चरित्र (महालक्ष्मी चरित्र का पाठ)
6. उत्तम चरित्र (महासरस्वती चरित्र का पाठ)
7. उत्तरन्यास, ऋग्वेदोक्त देवीसूक्त का पाठ।
8. रहस्यत्रय, देव्यापराधक्षमापनस्तोत्र, कुञ्जिकास्तोत्र का पाठ।
9. सौन्दर्य लहरी ग्रन्थ की व्याख्या सहित अध्ययन।

प्रायोगिक- उपरोक्त इकाइयों में निर्धारित विषयों के प्रयोग विधियों का मार्गदर्शन 80 अंक

- नवचण्डी, सार्धनवचण्डी, शतचण्डी, सहस्रचण्डी, लक्षचण्डी तथा विविध कामना प्रयोगों का अध्ययन।
- दुर्गायन्त्रार्चन, सम्पुटीकरण प्रयोग, हवन, तर्पण, बलिदान आदि प्रयोगों का अध्ययन।

सहायकग्रन्थः-

1. दुर्गासप्तशती- गीताप्रेस, गौरखपुर।
2. दुर्गोपासनाकल्पद्रुम- क्षेमराज श्रीकृष्णदास, मुम्बई।
3. सौन्दर्य लहरी- लक्ष्मीधरी टीका, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर।
4. दुर्गासप्तशती व्याख्या सहित- नागेशी टीका, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

(राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान)

For

(Short Time Online E-Course)

Two Month Certificate Course

विष्णुसहस्त्रनामस्तोत्र एवं श्रीमद्भागवद्गीता मन्त्रयोग साधना प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

2023-24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

जयपुर-राजस्थान

राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान

SHORT TIME ONLINE E-COURSE
पार्ट-तृतीय

तनाव कम करने व विविध कामना सिद्धि हेतु-

"विष्णुसहस्त्रनामस्तोत्र एवं श्रीमद्भगवद्गीता मन्त्रयोगसाधना

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम"

(One Month Certificate Course)

पाठ्यक्रम

- एक माह के पाठ्यक्रम में विष्णुसहस्त्रनामस्तोत्र के पाठ का पूरा अध्ययन कराया जायेगा तथा श्रीमद्भगवद्गीता में 10, 11, 12 तथा 15वां अध्यायों का अध्ययन कराया जायेगा।

सहायक ग्रन्थः-

1. श्रीमद्भगवद्गीता (मूलमात्र), विष्णुसहस्त्रनामस्तोत्र सहित गीता प्रेस गोरखपुर।

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

(राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान)

For

(Short Time Online E-Course)

One Month Certificate Course

सौन्दर्य लहरी तन्त्र साधना

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

(सामान्य परिचय)

A Fundamental Course

2023-24

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

जयपुर-राजस्थान

राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान
SHORT TIME ONLINE E-COURSE

"सौन्दर्य लहरी तन्त्र साधना प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम"
(One Month Certificate Course)

प्रवेश व अध्ययन नियमः-

1. **प्रवेश योग्यताः-** किसी भी विषय से बारहवीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में 40% से उत्तीर्ण छात्र प्रवेश के योग्य होगा।
2. **प्रवेश शुल्क व स्थानः-** विश्वविद्यालय नियमानुसार (1000/-रूपये) 30 सीट।
3. **पाठ्यक्रम अवधिः-** एक माह का ऑनलाइन कोर्स विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त लिंक से प्रतिदिन सायंकाल 3 से 4 बजे तक एक माह कार्य वस में अध्ययन।
4. **पाठ्यक्रम विषयः-** सौन्दर्य लहरी तन्त्र साधना प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (सामान्य परिचय (A Fundamental Course)
5. **पाठ्यक्रम नियमः-** 100 अंक की एक परीक्षा होगी। प्रमाण पत्र भी विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त होगा।
6. **प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के उद्देश्यः-** भारतीय संस्कृति के मूल धरोहर के रूप में प्रसिद्ध मन्त्र साधना परक उपयोगी विषयों का आमजन तक पहुँचाना तथा विश्वविद्यालय में जनभागीदारी बढ़ाना।
7. **सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षा** के लिए 75% उपस्थिति अनिवार्य है।
8. अन्य सभी नियम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित ही मान्य होंगे।

पाठ्यक्रम विषयः-

- प्रतिदिन दो श्लोकों का व्याख्यान, महत्व, प्रयोजन, तन्त्रसाधना के नियम एवं विविध प्रकार की साधना विधियों का अध्ययन होगा। कुल एक पाठ्यक्रम में पहले से 50 श्लोकों तक पढ़ाया जायेगा।

सहायक ग्रन्थः-

1. सौन्दर्य लहरी (व्याख्या सहित) श्री रुद्रदेव त्रिपाठी, रंजन पब्लिकेशन नई दिल्ली।